No. of Printed Pages : 2

आर.एम.यू. - 002

Ph.D. IN PERFORMING AND VISUAL ARTS (PHDPVA)

00005

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2015

आर.एम.यू. - 002 : भारतीय संगीत का इतिहासपरक अध्ययन

समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 70*

नोट : *(i)* ***किन्हीं सात*** *(7) प्रश्नों के उत्तर दें।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्न* ***समान*** *अंक के हैं।*

---

1. "संगीत रत्नाकर" ग्रन्थ का संक्षिप्त विवरण देते हुए संगीत शास्त्र के अध्ययन के क्षेत्र में इस ग्रन्थ के महत्व को समझायें।

2. भरत मुनि द्वारा प्रतिपादित 'सारणा चतुष्टय' के प्रयोजन को समझायें।

3. पंडित अहोबल तथा पंडित भातखण्डे द्वारा किये गये वीणा के तार पर स्वरों की स्थापना का तुलनात्मक विवरण दीजिए।

4. खयाल गायन परम्परा की उत्पत्ति व विकास के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक लिखिए।

5. निम्नलिखित किसी **एक** वाद्य की उत्पत्ति और क्रमिक विकास के संबन्ध में सविस्तार लिखें :
   (a) सितार
   (b) सारंगी
   (c) तबला

6. प्राचीन व मध्यकालीन ग्रन्थों में वर्णित ताल के दश प्राण के सम्बन्ध में सविस्तार लिखिए।

7. वर्तमान समय में तन्त्री वाद्यों पर बजाई जाने वाली रचनाओं की उत्पत्ति और क्रमिक विकास के सम्बन्ध में विस्तार पूर्वक लिखिए।

8. भरत द्वारा प्रतिपादित 'रस सिद्धान्त' का सविस्तार विवेचन कीजिए।

9. खयाल तथा ध्रुपद की संरचना तथा गायन पद्धति का तुलनात्मक विवरण दीजिए।